S-520 Roll No. …………………..

BAJY–102

जन्म कुण्डली निर्माण

कला में स्नातक (ज्योतिष) (बी. ए.–12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र की उपादेयता की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. स्पष्ट चन्द्रसाधन की विधि लिखकर सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
3. स्वकल्पितोदाहरण द्वारा लग्नानयन उपस्थापित कीजिए।
4. षड्वर्गों का नाम लिखकर त्रिशांश एवं नवमांश ज्ञान की विधि लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्पष्टग्रह साधनार्थ फलसंस्कारविधिः सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
2. सूर्यादिग्रहों की उच्च-नीच एवं मूल त्रिकोण राशि लिखिए।
3. सोदाहरण देशान्तर ज्ञान विधि व्याख्यायित कीजिए।
4. पलभा, अक्षांश एवं रेखांश का परिचय लिखिए।
5. द्वादश भावों से विचारणीय विषयों को लिखिए।
6. मुन्था साधनविधि सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
7. मंगल की महादशा में नवग्रहों का अन्तर्दशा मान लिखिए।
8. 'पंचधामैत्रीज्ञानविधिः तात्कालिक मित्र-शत्रु विचार सहित उपस्थापित कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पुष्य नक्षत्र के चतुर्थ चरण का जन्माक्षर है :
   (क) हा
   (ख) हो
   (ग) डे
   (घ) डू

2. सिंह-कर्क के अधिपति कौन हैं ?

   (क) सूर्य-चन्द्र

   (ख) चन्द्र-सूर्य

   (ग) सूर्य-मंगल

   (घ) चन्द्र-मंगल

3. पलभा साधन कब होता है ?

   (क) मेषादि सूर्य के मध्याह्न में

   (ख) मेषादि सूर्य के प्रातः

   (ग) सायन मेषादि सूर्य के मध्याह्न में

   (घ) सायन मेषादि सूर्य के प्रातः

4. 'सौरि' किस ग्रह की संज्ञा है ?

   (क) शनि

   (ख) सूर्य

   (ग) शुक्र

   (घ) मंगल

5. मंगल की किन-किन भावों पर विशेष दृष्टि होती है ?

   (क) 9-8

   (ख) 5-9

   (ग) 3-10

   (घ) 4-8

6. मिथुन का तृतीय नवमांशेश है :

   (क) सूर्य

   (ख) मंगल

   (ग) गुरु

   (घ) शुक्र

7. पणफर संज्ञक भाव है :

(क) प्रथम

(ख) द्वितीय

(ग) तृतीय

(घ) चतुर्थ

8. चरकारक में अंशादिमान में सबसे न्यून ग्रह होता है :

(क) दाराकारक

(ख) ज्ञातिकारक

(ग) भ्रातृकारक

(घ) शत्रुकारक

9. "सिद्धा" योगिनी दशा का वर्ष प्रमाण है :

(क) 4 वर्ष

(ख) 5 वर्ष

(ग) 6 वर्ष

(घ) 7 वर्ष

10. 'सूर्य' की मूलत्रिकोण राशि है :

(क) मेष

(ख) सिंह

(ग) कन्या

(घ) मीन